Total Pages : 3 **Roll No. ----------**

DMA-101

चिकित्सा ज्योतिष के मूलभूत सिद्धान्त

Diploma in Medical Astrology (DMA)

प्रथम वर्ष, सत्र जून 2022

Time: 2 Hours Max. Marks: 100

नोट : यह प्रश्न पत्र सौ (100) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड –क

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[2 x 26 = 52]

Q.1. चिकित्सा ज्योतिष का परिचय देते हुए ज्योतिष एंव आयुर्वेद का परस्पर संबंध स्पष्ट कीजिये।

P.T.O.

Q.2. ग्रहों के प्रभाव को जानने की ज्योतिषीय प्रविधि का प्रतिपादन कीजिये।

Q.3. चिकित्सा के भेद बतलाते हुए कालज एंव कर्मफल रोगों का परिचय दीजिये।

Q.4. ज्योतिषीय एंव आधुनिक चिकित्सा में अन्तर स्पष्ट कीजिये।

Q.5. सृष्टि एंव ब्रह्माण्ड का अन्तः संबंध पर प्रकाश डालिये।

खण्ड – ख

लघु उत्तरों वाले प्रश्न

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बाराह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[4 x 12 = 48]

Q.1. मानव जीवन पर ग्रहों का प्रभाव कैसे पड़ता है; स्पष्ट कीजिए।

Q.2. किस जातक को कौन सा रोग होगा ? कैसे ज्ञात होगा ज्योतिषीय विधि बताए।

Q.3. पुनर्जन्म परम्परा पर टिप्पणी लिखिये।

Q.4. असाध्य रोगों का प्रतिपादन कीजिये।

Q.5. रोगोत्पत्ति के ज्योतिषीय कारण का विश्लेषण कीजिये।

Q.6. आयुर्वेद व आयुर्वेदाचार्यों के मत से रोगोत्पत्ति के कारण बतलाइये।

Q.7. क्या जीवन में घटित घटनाओं का पूर्व विश्लेषण किया जा सकता है? समझाते हुए लिखिये।

Q.8. चिकित्सा ज्योतिष की वर्तमान में उपादेयता पर प्रकाश डालिये।

****